IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 4.819
Volume 6, Issue 1, June 2020

वैश्वीकरण का अर्थ तथा विकास

(Meaning and Development of Globalization):

डॉ० पलक भारद्वाज

सह- आचार्य भूगोल विभाग राजकीय कन्या महाविद्यालय उदयपुर (राजस्थान)

सामान्य अर्थों में वैश्वीकरण का तात्पर्य विश्व स्तर पर वस्तुओं सेवाओं व्यक्तियों विचारों तथा पूँजी के आदान-प्रदान की बारंबारता तथा मात्रा में वृद्धि की प्रक्रिया से है। दूसरे शब्दों में वैश्वीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत विश्व के विभिन्न समुदायों और देशों के मध्य आदान-प्रदान की प्रक्रिया में तेजी से वृद्धि होती है। विभिन्न विद्वानों ने वैश्वीकरण की अलग-अलग परिभाषाएँ दी हैं।

रोलैण्ड रॉबर्टसन के अनुसार- "वैश्वीकरण का तात्पर्य विश्व का संगठित होना तथा एक विश्व के रूप में चेतना का तीव्र होना है।"

मार्टिन अलर्बो तथा एलिजाबेथ किंग के अनुसार- "वैश्वीकरण का तात्पर्य उन सभी प्रक्रियाओं से है, जिसमें विश्व के सभी लोग एक विश्व समाज में समाहित हो जाते हैं।"

एन्थोनी गिडेन्स ने अपनी पुस्तक 'दी कान्सिक्वेन्सेस ऑफ मॉडरनिटी' में लिखा है कि वैश्वीकरण का तात्पर्य "विश्व स्तर पर सामाजिक सम्बन्धों का इस प्रकार विस्तार है, जिससे दूर स्थित समाज आपस में जुड़ जाते हैं तथा स्थानीय घटनाएं दूर की घटनाओं से प्रभावित होने लगती हैं।"

संदर्भ सूचि

1. हेल्ड, डेविड एण्ड मैकग्रेव, ऐन्थॉनी (2003), दिग्लोबल ट्रांस्फॉर्मेशन रीडर: ऐन इंट्रोडक्शन टू दि ग्लोबलाइजेशन डिबेट, कैम्ब्रिज: पॉलिटीप्रेस
2. थॉम्पसन, जी., (2000), इकोनॉमिक ग्लोबलाइजेशन? इन डी. हेल्ड (ऐडिटेड), एग्लोबलाइजेशन वर्ल्ड कल्चर, इकोनॉमिक, पॉलिटिक्स, लंदन, न्यू यॉर्क: रूटलेज: दि ओपन यूनिवर्सिटी।
3. गिडेन्स, ऐन्थनी, कॉन्सेक्यून्सेन्स ऑफ मॉडर्निटी, कैम्ब्रिज, पॉलिटी
4. गिड्डेन्स, ए., द कान्सिक्विन्सेज ऑफ मार्डनिटी, कैम्ब्रिज पाजिटी प्रेस (1991).
5. वैश्वीकरण के दौर में- सम्पादक रामशरण जोशी

Globalization or the age of Transition ? by Immanual Wallerstein. through Google.